Roll No .....

B.A.PART-III

INTERNAL EXAMINATION 2020

Hindi Literature

Paper-I

(जनपदीय भाषा साहित्य (छत्तीसगढ़ी)

Time : Three Hourse

Maximum Marks : 75

नोट– सभी प्रश्न अनिवार्य है।

इकाई– एक

प्र.1– निम्नलिखित अवतरणों की संप्रसंग व्याख्या कीजिए। (21)

(I) भजन करौ भाई रे, अइसन तन पायके।
नहि रे लंकापति रावन, रहे दुर्योधन राई रे।
मात–पिता सुत ठाढ़े भाई बंद, आयो जमराज पकर लै जाही रे।
लाल खंभ पर देत ताड़ना, बिन समगुरू को होत सहाई रे।
धरमदास के अरज गोसाई, नाम कबीर कहौ गोह राई रे।

''अथवा''

गली–गली में साधु रेंगे।
संत फुकावों कान।
चोला तरे त इन तरै।
नरियर धोती रे काम।
अपने पेट ल देखे बर नइए।
दूसरे के पेट दिखा जथै।
अपन टोटाल देखे नहिं।
आन के फूला ल हांसथे।

(II) येती बिहनिया ले घर मं खड्क, तरवार ल माजे के काम घलो सुरू रहय, आज घरों घर खड्क के पूजा होथय। ये दिन ल हिन्दु मन साल भर ले अगोरत रहिथंय। येला बड़ पवित्र दिन माने जाथे, काहे के, ये दिना आर्य के जीत के पताका अनार्य के किल्ला मं फहराये रहिस हे। ये वही सुभ दिन आय जउन दिन भगवान राम हर रावण ला खतम कर आर्य संस्कृति के रक्षा करें रहिन।

''अथवा''

अइसना गोठ सुनके नारी मन ल कुछु सीखे के ये। अपन सुभाव ल सुधारे बर कोसिस करय। आज कल पढ़ई–लिखई के जमाना आगे हे। कतकोन किताब पढ़बो–फेर–ओ किताब के सीख ल, अपन जीवन में नई उतारन त का फायदा। सियान मन गोठ मं कइथे–

"पढ़े बर न कढ़े बर,
गोठ करे बर चटर–चटर"

(III) चैतू
गौंटिया इहॉ
सबो दूध ल
अमरा देथे
घर भर के सबो
दाना–दानाबर तरसथें
अउ उपास म घर के
दूध घलों नइं पा सकै।
बैसाखू
सेठ इहॉ जाके
जॉगर पेर के
महल–अटारी बनाथे
घर भर के सबो
छॉव भर कलपथें
फेर माटी के बेटा
माटी के घर–कुरिया नई बना सकै।

''अथवा''

दिन दुकाल ला हॉस के सहिथे, छत्तीसगढ़ के भुइंयाहर।
महतारी मन गर्रा–धूंका, अंचरा मां गठिया लेथे।।
जम्मों साथ चुरौना बोरंव, एक साथ के खातिर में।
एक दिसा के उड़त परेवा, ठीया ला अमरा लेथे।।

इकाई– दो

प्र.2– संत काव्यधारा की मुख्य की प्रवृत्तियो के आधार पर धर्मदास के पदों में काव्य चेतना का विश्लेषण कीजिए । (12)

''अथवा''

छत्तीसगढ़ी निबंधों की विकास यात्रा में लखन लाल गुप्त के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

इकाई– तीन

प्र.3– विनय कुमार पाठक के अवदान पर एक निबंध लिखिए। (12)

''अथवा''

छत्तीसगढ़ी साहित्य की विकास यात्रा पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

इकाई– चार

प्र.4– निम्नलिखित में से किंन्ही पॉच पर संक्षिप्त टिप्पणियॉ लिखिए। (15)

(I) "देवार डेरा" लोकमंच का सामाजिक सांस्कृतिक पक्ष।

(II) मुकुंद कौशल का रचना संसार।

(III) पंडित सुंदरलाल शर्मा का साहित्यिक इतिहास।

(IV) कपिलनाथ कश्यप का साहित्यिक परिचय।

(V) धर्मदास का भाव पक्ष।

(VI) रामचंद देशमुख का लोकनाट्य के क्षेत्र में योगदान।

(VII) छत्तीसगढ़ी कहावतें एवं मुहावरें।

(VIII) छत्तीसगढ़ी भाषा का क्षेत्र।

इकाई– पॉच

प्र.5– निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (15)

(I) "आवा" उपन्यास किसकी रचना है ?

(II) धर्मदास की पत्नी का क्या नाम था ?

(III) प्रसिद्ध पंडवानी गायिका का नाम लिखिए ?

(IV) छत्तीसगढ़ी विशेशण का उदाहरण दीजिए ?

(V) धर्मदास के गुरू कौन थे ?

(VI) "जम्मो" शब्द का एकवचन लिखिए ?

(VII) "कारी" का स्क्रिप्ट किसने लिखा ?

(VIII) "भरमय" का शुद्ध हिन्दी रूप लिखिए ?

(IX) "एक किसिम के नियाव" किसकी रचना है ?

(X) "अनचिन्हार" काव्य किसकी रचना है ?

(XII) "चार झन" किस प्रकार का विशेषण है ?

(XIII) "एखर" शब्द का बहुवचन लिखिए ?

(XIV) कपिलनाथ कश्यप कृत किसी एक महाकाव्य का नाम लिखिए ?

(XV) "वंशनाम" नाटक के रचनाकार का नाम लिखिए ?

–––––000–––––